7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 पशु तस्करी में पिछले 10 वर्ष में कौन गया जेल

5 योगी की नीतियों ने लुभाया, रेडीमेड गारमेंट फैक्ट्री लगाने कोलकाता से आया

8 'हाथ मिलाने पर नहीं: कपिल देव

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 13 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 22 सितम्बर ,2025

जीएसटी कटौती से आम आदमी को राहत

कोल्डलड्रिंक, पानी और बेडशीट मिलेंगी सस्ती, बाइकों की कीमत में आई कमी

दैनिक जरूरी सामान पर बड़ी बचत

वस्तुएं	पहले	अब
हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, साबुन, टूथ ब्रश, शेविंग क्रीम	18%	5%
मक्खन, घी, चीज एवं डेयरी उत्पाद	12%	5%
पैक्ड नमकीन, भुजिया व मिक्सचर	12%	5%
बर्तन	12%	5%
बच्चों की फीडिंग बोतलें, नैपकिन और डायपर	12%	5%
सिलाई मशीन व पुर्जे	12%	5%

सस्ते हुए ऑटोमोबाइल

वस्तुएं	पहले	अब
पेट्रोल/डीजल हाइब्रिड कार (1200CC & 4000mm तक)	28%	18%
डीज़ल/डीजल हाइब्रिड कार (1500CC & 4000mm तक)	28%	18%
तीन पहिया वाहन	28%	18%
मोटरसाइकिल (350CC तक)	28%	18%
माल ढोने वाले वाहन	28%	18%

किसानों व कृषि के लिए सहारा

वस्तुएं	पहले	अब
ट्रैक्टर टायर व पुर्जे	18%	5%
ट्रैक्टर	12%	5%
जैव कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व	12%	5%
ड्रिप सिंचाई व स्प्रिंकलर	12%	5%
कृषि/बागवानी/वन संबंधी मशीनें (जुताई, बुवाई, कटाई आदि हेतु)	12%	5%

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी राहत

वस्तुएं	पहले	अब
व्यक्तिगत स्वास्थ्य व जीवन बीमा	18%	0%
थर्मामीटर	12%	5%
चिकित्सीय ऑक्सीजन	12%	5%
सभी डायग्नॉस्टिक किट	12%	5%
ग्लूकोमीटर व टेस्ट स्ट्रिप्स	12%	5%
चश्मा (स्पेक्टेकल्स)	12%	5%

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर बचत

वस्तुएं	पहले	अब
एयर कंडीशनर	28%	18%
टेलीविज़न (32 इंच से बड़े, LED/LCD सहित)	28%	18%
मॉनिटर व प्रोजेक्टर	28%	18%
डिश वॉशिंग मशीन	28%	18%

किफायती होगी शिक्षा

वस्तुएं	पहले	अब
मानचित्र, चार्ट व ग्लोब	12%	0%
पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन्स व पेस्टल	12%	0%
कॉपी व नोटबुक	12%	0%
रबर	5%	0%

दिल्ली,एजेंसी। जीएसटी कटौती से आम आदमी को राहत मिलेगी। बेडशीट, पर्दे, कंबल आदि पर जीएसटी की दर अब पांच प्रतिशत हो गई है। बाइकों में 7000–13000, देसी–विदेशी कारों में 45 से तीन लाख रुपये तक की कमी आई है। जीएसटी 2.0 की शुरुआत सोमवार यानी नवरात्र से हो रही है। जीएसटी की नई दरें लागू होने का सीधा लाभ आम आदमी को मिलेगा। कोल्ड ड्रिंक, पानी की बोतलें और बेडशीट सस्ता हो जाएगी। कार और बाइकों पर कंपनियों ने छूट जारी कर दी है। बाइकों के अलग–अलग मॉडलों पर कंपनियों ने 7000–13000 रुपये और देसी–विदेशी कारों में 45 हजार रुपये से तीन लाख रुपये तक कमी कर दी गई है। बेडशीट, पर्दे, कंबल आदि पर जीएसटी की दर अब पांच प्रतिशत हो गई है। 1000 रुपये मूल्य से ज्यादा वाले उत्पाद इसके दायरे में आ गए हैं। हालांकि एफएमसीजी कंपनियों ने नए रेट नहीं जारी किए हैं। कंपनियां वजन बढ़ाने की तैयारी में हैं। महंगाई कम होने का लाभ बाजारों को मिलेगा।

दाल, चावल और रोटी सस्ती होगी

आटा, दाल और चावल पर पहले 18 प्रतिशत जीएसटी लगता था। अब इस पर जीएसटी 12 प्रतिशत हो गया है। नमकीन पर पहले 12 से 18 प्रतिशत जीएसटी लगता था। अब इस पर पांच प्रतिशत जीएसटी कर दिया गया है। साबुन, तेल, टूथपेस्ट, डिटर्जेंट आदि घरेलू सामान पर अब पांच प्रतिशत प्रतिशत टैक्स लेगा। हालांकि अभी कंपनियों ने इन उत्पादों के नए दाम नहीं जारी किए हैं।

कपड़े–जूते और इलेक्ट्रानिक्स पर कम होगा खर्च

पहले 2500 से से ऊपर कीमत वाले रेडीमेड कपड़े और जूतों पर 12 से 18 प्रतिशत जीएसटी था। अब पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। 43 इंच वाले टीवी के दामों में 2500 रुपये की कमी आएगी।

पहले 28 प्रतिशत जीएसटी लगता था। नई व्यवस्था में 18 प्रतिशत कर देना होगा। विंडो एसी और स्पिलिट एसी की कीमतों में 4.500 से 5,900 रुपये तक की कमी आएगी। हालांकि शोरूम संचालक नई रेट लिस्ट के इंतजार में हैं। एफएमसीजी कंपनियों ने अब तक नई रेट लिस्ट नहीं जारी की है।

उनका कहना है कि पांच, 10 और 20 रुपये वाली वस्तुओं का दाम घटाकर साढ़े तीन रुपये, साढ़े नौ रुपये तो कर नहीं सकते हैं। ऐसे में 35 ग्राम वाले सामान का वजन 40 ग्राम या 45 ग्राम कर सकती हैं। – **रोशन लाल गुप्ता, महामंत्री, नयागंज मर्चेंट एसोसिएशन**

बेडशीट, पर्दे, कंबल आदि पर जीएसटी की दर अब पांच प्रतिशत हो गई है। 1000 रुपये मूल्य से ज्यादा वाले उत्पाद इसके दायरे में आ गए हैं।

पहले 12 प्रतिशत जीएसटी था। अब 1100 रुपये वाला कंबल, बेडशीट 1030 रुपये का मिलेगा। सात प्रतिशत जीएसटी कम हो गया है। – **विनायक पोद्दार, अध्यक्ष किदवईनगर युवा व्यापार मंडल**

ऑटोमोबाइल कंपनियों ने दाम कर दिए हैं। बाइकों के अलग–अलग मॉडलों पर सात से 13 हजार और टाटा की कारों पर अलग–अलग मॉडलों के अनुसार 45 से एक लाख 45 हजार रुपये कम किए गए हैं। एमजी हेक्टर ने अलग–अलग टॉप मॉडलों पर 45 हजार से तीन लाख रुपये कम किए हैं।

बिजली कनेक्शन जल्द नहीं लिया तो देना पड़ेगा 5 हजार प्री–पेड मीटर पर वसूले जाएंगे इतने पैसे

फतेहाबाद में नए बिजली कनेक्शन लेने वालों के लिए जरूरी खबर है। नए प्रीपेड मीटर लगने से कनेक्शन महंगा होगा। एक किलोवाट का कनेक्शन 6714 रुपये में मिलेगा जिसमें प्रीपेड मीटर का शुल्क शामिल है। विद्युत वितरण खंड तृतीय क्षेत्र में लगभग 63 हजार उपभोक्ता हैं। विभाग नए कनेक्शन के लिए प्रेरित कर रहा है ताकि लोग अतिरिक्त शुल्क से बच सकें क्योंकि जल्द ही नया शुल्क लागू होगा।

संवाद सूत्र, फतेहाबाद । नए बिजली कनेक्शन लेने वालों के लिए जरूरी खबर है। अगर उन्हें अतिरिक्त शुल्क से बचना है तो जल्द कनेक्शन ले लें अन्यथा नए कनेक्शन पर पांच हजार रुपये अधिक चुकाने होंगे। हालांकि विभाग ने अभी नए कनेक्शन के लिए यह शुल्क लागू नहीं किया है, लेकिन जल्दी ही यह शुल्क लागू होने पर उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा। सामान्य मीटर लगे होने पर बिजली विभाग अभी एक किलोवाट के कनेक्शन पर 1799 रुपये शुल्क लिया जाता है। अब नए प्री–पेड मीटर लगाए जा रहे हैं।

इस वजह से बढ़े रेट

इसकी वजह से मीटर का शुल्क बढ़ गया है। यही कारण है कि अब नया कनेक्शन लेना महंगा होने वाला है। नए कनेक्शन के लिए प्री–पेड मीटर शुल्क को मिलाकर 6714 रुपये वसूले जाएंगे। यह शुल्क एक किलोवाट के कनेक्शन का है। विद्युत वितरण खंड तृतीय क्षेत्र में अभी लगभग 63 हजार उपभोक्ता हैं, जबकि फतेहाबाद सर्किल में 1.81 एक लाख उपभोक्ता हैं। अभी विभाग लोगों को नए कनेक्शन के लिए प्रेरित कर रहा है। अधिशासी अभियंता शैलेंद्र कटियार ने बताया कि नए शुल्क की दरों का आदेश मिल गया है लेकिन अभी इसे लागू नहीं किया गया है। उपभोक्ता जल्द नया कनेक्शन लेकर अतिरिक्त शुल्क से बच सकते हैं। यह शुल्क कब से लागू होगा, इसके लिए उच्चाधिकारी फैसला लेंगे।

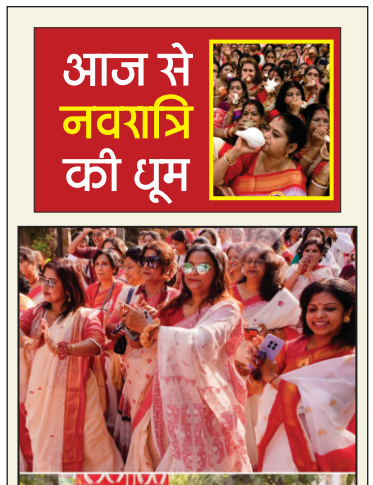

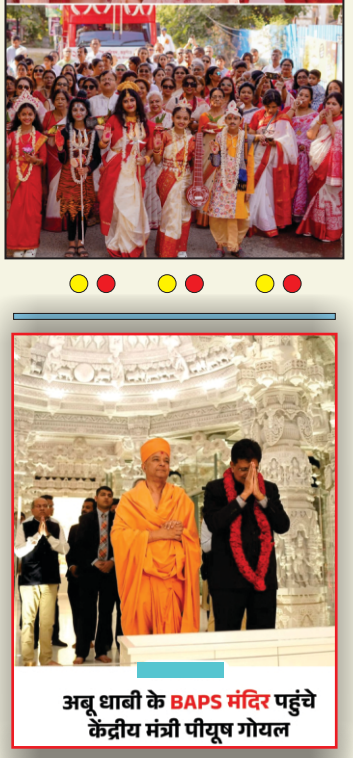

हमें सबसे पहले अपने पड़ोस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. क्या हम सचमुच अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों में सुधार ला सकते हैं? मैं पाकिस्तान गया हूं और आपको बता दूं कि मुझे वहां घर जैसा महसूस हुआ. मैं बांग्लादेश गया हूं, मैं नेपाल भी गया हूं, और मुझे वहां भी घर जैसा महसूस हुआ. मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी विदेशी धरती पर हूं.

सैम पित्रोदा
प्रमुख, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस

सम्पादकीय

राहुल गांधी की दूसरी प्रेस कांफ्रेस

कुछ नए सवाल कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेस में फिर से वोट चोरी और चुनावी धांधली के नए सबूत पेश किए हैं

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेस में फिर से वोट चोरी और चुनावी धांधली के नए सबूत पेश किए हैं। बुधवार शाम को जब सूचना आई कि श्री गांधी 18 सितंबर की सुबह प्रेस कांफ्रेस करने वाले हैं, तो कयास लगने की लगे कि 1 सितंबर को जिस हाईड्रोजन बम का डर उन्होंने भाजपा को दिखाया था, वो फूटने वाला है। लेकिन प्रेस कांफ्रेंस शुरु होते ही राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है। गांधी ने इस बार प्रेस कांफ्रेस में युवाओं को संबोधित किया है, क्योंकि इस देश का लोकतंत्र अब युवाओं को ही संभालना है। इसलिए उन्हें न केवल चुनावी प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए, बल्कि ये भी पता होना चाहिए कि इसमें किस किस्म की गड़बड़ी की जा सकती है। अभी यह कहना मुश्किल है कि कितने युवाओं ने इस प्रेस कांफ्रेस को देखा और राहुल गांधी की बात को समझा है। लेकिन देश का युवा राहुल गांधी के दिखाए सबूतों के आधार पर अगर मोदी सरकार से और चुनाव आयोग से सवाल करने लग जाए तो फिर ऐसी धांधलियों पर काफी हद तक रोक लग जाएगी। प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त को भी कड़ी चेतावनी दी है कि आप को पद संभालते वक्त ली जाने वाली शपथ याद रखनी चाहिए। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'लोकतंत्र की हत्या करने वालों' तथा 'वोट चोरों' की रक्षा कर रहे हैं। 'वोट चोरी' का काम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार में संरक्षण हो रहा है। बता दें कि 7 अगस्त की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर कई नाम जोड़े जाने के सबूत पेश किए थे। लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने बताया है कि कैसे मतदाता सूची से नाम काटे गए हैं और इसके लिए अलग–अलग राज्यों से फोन नंबर का इस्तेमाल हुआ है। राहुल गांधी प्रेस कांफ्रेस में ऐसे लोगों को लेकर भी आए जिनके नाम से वोट काटे गए। इन्हीं में से एक शख्स ने बताया कि उनके नाम से 12 वोट काटे गए, जबकि उन्होंने कभी ऐसा किया ही नहीं। दो शख्स और आए, जिनमें एक का नाम सूची से काटा गया था और दूसरे ने नाम काटने की अर्जी दी थी। लेकिन असल में दोनों ही इस बात से अनजान थे कि उनके नाम पर ऐसा कुछ हुआ है। एक दिलचस्प उदाहरण भी राहुल गांधी ने दिया कि एक शख्स ने सुबह चार बजे उठकर दो अर्जियां दाखिल कीं और दोनों ही महज 36 सेकंड में दाखिल की गईं। यानी आधे मिनट में दो–दो आवेदन दिए गए वो भी सुबह 4 बजे, जिस पर एकबारगी यकीन नहीं किया जा सकता। लेकिन ऐसा हुआ है और इस सबके पीछे बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है। राहुल गांधी के मुताबिक योजना बनाकर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर वोटर लिस्ट से नाम काटा जा रहा है। जिस बूथ पर कांग्रेस वोटर ज्यादा हैं, वहीं वोट काटा जा रहा है। कर्नाटक की ही आलंद विधानसभा का प्रमाण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि आलंद में किसी ने 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। हमें यह नहीं पता कि 2023 के चुनाव में कुल कितने वोट हटाए गए हैं, लेकिन इतना तय है कि यह संख्या 6,018 से कहीं ज़्यादा थी। राहुल ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब गलती से एक वोट डिलीट करने के दौरान गड़बड़ी पकड़ में आ गई। दरअसल, एक बूथ–लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। जब उसने जांच की कि यह वोट किसने डिलीट किया, तो पता चला कि उसका ही पड़ोसी जिम्मेदार दिखाया गया है। लेकिन जब उसने अपने पड़ोसी से बात की, तो उसने साफ कहा कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया। यानी जिसने वोट हटाया और जिसका वोट हटा– दोनों ही इस बात से अनजान थे। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में जांच चल रही है। सीआईडी ने 18 महीने में 18 पत्र चुनाव आयोग को भेजे हैं और पूछा कि हमें डेस्टिनेशन आईपी दीजिए, डिवाईस डेस्टिनेशन के बारे में जानकारी दीजिए, इसके अलावा ओटीपी ट्रेल को भी देने के लिए कहा। कर्नाटक की सीआईडी ने कई बार इसकी मांग चुनाव आयोग से की। लेकिन उस पर चुनाव आयोग ने जवाब नहीं दिया। लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस के कुछ देर बाद ही चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावों के स्क्रीन शॉट पर गलत का ठप्पा लगा दिया और कहा कि आरोप गलत और निराधार हैं। आयोग ने अपने बचाव में कहा कि किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी के भी द्वारा नहीं हटाया जा सकता, जैसा कि राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना कोई भी वोट नहीं हटाया जा सकता। लेकिन आयोग के इन दावों की व्यावहारिक हकीकत देश जानता है। कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जब किसी को जानकारी दिए बिना, या उसकी सुनवाई के बिना ही वोटर लिस्ट से नाम काटा गया है। बहरहाल चुनाव आयोग ने ये भी कहा कि 2023 में अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जाँच के लिए चुनाव आयोग के प्राधिकारी द्वारा स्वयं एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लेकिन चुनाव आयोग ने अब भी ये नहीं बताया कि सीआईडी कर्नाटक ने 18 अलग–अलग मौकों पर जो जानकारी मांगी, वो क्यों नहीं दी गई। इसी तरह प्रेस कांफ्रेस में कुछ खास लोगों ने यह दावा कैसे किया कि उनके नाम का दुरुपयोग करके नाम हटाए गए, और उन्हें पता ही नहीं चला।

दफ्तरों से बाहर शिविरों में

आपदा की समीक्षा यूं तो खुद के भीतर दर्द को शांत करना है, फिर भी यह अशांत माहौल की पहरेदारी में हर मौके पर हाजिर होने की गवाही है। पिछले तीन महीनों ने कई दफ्तरों को शिविरों में काम करते देखा, कई अधिकारी जेसीबी के सहारे पानी में उतर गए, तो कई पैदल रास्तों पर दुख के मजमून खोजते रहे। चर्चाओं में मंडी के जिलाधीश अपने कर्म को नापते रहे, तो जनता के निष्पक्ष विवेचन की तालियां उन्हें मिलीं। आपदाग्रस्त प्रदेश ने कई बिखराव, कई समझौते और आंसू पौंछते कई हाथ देखे, तो प्रदेश का आत्मविश्वास जख्मों पर मरहम पट्टी करने लगता है। शिमला की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री निर्देश दे रहे हैं, तो रणनीतिक तौर पर यह प्रदेश खुद को खुद ही दुरुस्त करता है। भरमौर में मणिमहेश की यात्रा में आपदा का आगमन, इस बार हमारी नसों को टटोल गया, लेकिन यह दौर भी निकल गया। एक मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करती हिमाचल की वेदना ने सिखाया कि तिनके बटोर कर फिर जिंदगी की छत बनती है और जिस तीव्रता से भरमौर से निकली सडक़ ने राहत का अस्तित्व बना लिया, यह काबिले तारीफ है। कहते हैं ढहते को संवारना आ जाए, तो बार–बार गिरकर बुलंद हो सकते हैं। इस आपदा काल का अनुशीलन अगर पर्वतीय जिद्द का एहसास करे, तो हम एक नए हिमाचल का श्रीगणेश कर सकते हैं। हम बचाव ढूंढने निकले हैं, कसूर ढूंढने नहीं। हम आपदा के जख्मों में पर्यावरण की नमक हलाली छिडक़ेंगे तो तकलीफ का मंजर नहीं सुधरेगा। अगर ऐसा होता तो अब तक पर्यावरण मंत्रालय अपनी गुल्लक खाली कर चुका होता। पहाड़ को ही पर्यावरण संरक्षण करना है, तो इसके घावों का पहला निरीक्षण केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को करना चाहिए था। आश्चर्य यह कि हमारे घावों की अदालत तो सर्वोच्च अदालत से सुनती है, लेकिन हमारे जख्मों की कौन सुनेगा। जख्म ये हैं कि कुछ सालों में पर्यावरण की लाज बचाते हमारे जीने का इंतखाब बीस हजार करोड़ तबाह कर चुका है। इसकी भरपाई के लिए पर्यावरणीय भरपाई कब होगी। बहरहाल अपने जख्मों को देखने की व्यवस्था में प्रदेश की सक्रियता बढ़ रही है, तो प्रशासन को दफ्तरों से बाहर राहत शिविरों में हाजिरी लगानी है। ऐसे में दफ्तर कम, फील्ड ज्यादा फैलानी होगी। कम से कम विभागीय कसौटियों को शिमला के सचिवालय से बाहर भरमौर से सिरमौर और चन्नौर से किन्नौर तक के परिदृश्य को समझना होगा। यह न केवल प्रशासनिक तौर पर जरूरी है कि शिमला का खुमार हटा कर प्रदेश का बुखार समझा जाए। आपदा को समझने के लिए हर गांव–हर शहर, हर खेत–हर बागीचे, हर विभाग–हर निगम, हर नाले–हर खड्ड और नदी के व्यवहार को समझना होगा। अब नई प्रक्रियाओं की प्रणाली शुरू करनी होगी, लेकिन प्रशासन के स्वतंत्र मिजाज के लिए सियासत को भी नया सफर ढूंढना होगा। समग्रता में हिमाचल को न देखने की सजा भी कहीं नत्थी है। कहां ईंट–कहां पत्थर, कहां इमारत–कहां दफ्तर चाहिए, इसकी जिरह राजनीति ही रहेगी, तो हम बस्तियां बनाएंगे–बस्तियां उजाडऩे के लिए। एक बार सरकारी मशीनरी को मशीन की तरह पवित्र ऑयल कीजिए, फिर देखिए परिणाम होता है क्या। आपदा और राहत के बीच राजनीति को अलहदा करके देखेंगे, तो विकास का खोट समझ आएगा और भविष्य का रास्ता भी नजर आएगा। बेचारा अधिकारी तो किसी धूम केतु की तरह आदेशों से गुजर जाएगा, लेकिन शुरुआत के लिए उसके आत्मबल, निष्पक्ष व्यवहार, निर्णायक भूमिका और निरंतरता को जिंदा रखने का समर्थन भी देना होगा।?

संघ का नया चुनावी युद्घघोष–घुसपैठियों का खतरा!

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे'' के लबादे में, वास्तव में चुनावी द्वंद्व की अपनी इस प्रस्तुति में, प्रधानमंत्री मोदी अति–नाटकीयता का छोंक लगाना भी नहीं भूले। उन्होंने कहा, ''मैं (विरोधी) राजनीतिज्ञों से कहना चाहता हूं कि मैंने उनकी चुनौती स्वीकार कर ली है...लिखकर रख लीजिए। मैं देखूंगा कि कैसे तुम घुसपैठियों को बचाने के लिए अपनी ताकत लगाते हो और कैसे हम उन्हें निकालने के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगाते हैं। ब्रिटिश शाही तामझाम आने वाले चुनावी सीजन के लिए, भाजपा–आरएसएस ने विपक्ष के खिलाफ अपना मुख्य नैरेटिव तय कर लिया लगता है। पहले, असम में दारांग जिले के मंगलडोई में और उसके अगले ही दिन, बिहार में पूर्णिया में प्रधानमंत्री मोदी ने ''विकास'' के अपने दावों के अलावा, जो राजनीतिक संदेश दिया, वह इसी का संकेत करता है। असम में प्रधानमंत्री ने दावा किया कि देश के सीमावर्ती इलाकों में, आबादी का गठन बदलने का षडयंत्र रचा जा रहा है। और प्रधानमंत्री के अनुसार इस षडयंत्र को ''घुसपैठियों'' के जरिए अंजाम दिया जा रहा है। अगले ही दिन, पूर्णिया में अपनी सभा में प्रधानमंत्री ने ''घुसपैठियों'' के खतरे का अपना आख्यान दोहराया। यही नहीं यहां प्रधानमंत्री ने असम तथा बिहार के साथ, बंगाल के लिए भी इसे गंभीर खतरा बता दिया। और इस खतरे में भावनात्मक छोंक लगाते हुए, उन्होंने ''बहन–बेटियों की सुरक्षा'' के लिए खतरे की दुहाई दे डाली। याद दिला दें कि कथित घुसपैठियों से बहन–बेटियों की सुरक्षा के लिए खतरे की ठीक इसी दुहाई का, प्रधानमंत्री मोदी ने ही बिहार की तरह ही बंगाल से ही लगती हुई सीमा वाले एक और राज्य, झारखंड में विधानसभाई चुनाव में पूरा जोर लगाकर इस्तेमाल किया था। यह दूसरी बात है कि उसके बावजूद जनता ने एक बार फिर भाजपा को राज्य में सत्ता से बाहर ही रखने का जनादेश दिया था। जाहिर है कि संघ–भाजपा का यह चुनावी नैरेटिव उतना कथित ''घुसपैठियों'' के खिलाफ नहीं है, जितना कि भाजपा के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ है। इसलिए, अपने असली निशाने के संबंध में किसी संदेह या दुविधा की गुंजाइश न छोड़ते हुए, प्रधानमंत्री ने असम में अपने भाषण में कहा कि वास्तव में सीमावर्ती इलाकों में यह षड़यंत्र वे लोग चला रहे थे, जो घुसपैठियों को शरण देने पर आमादा थे। यहां से एक कदम आगे बढ़कर उन्होंने असम में अपनी मुख्य राजनीतिक विरोधी, कांग्रेस पर और पहले की कांग्रेसी सरकारों पर, इन घुसपैठियों को बचाने तथा उनकी हिमायत करने का आरोप जड़ दिया। प्रधानमंत्री ने आगे यह भी कहा कि, ''कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बने रहें और उसका भविष्य तय करें।'' यानी खतरा इतना बड़ा है कि देश भविष्य ही घुसपैठिये तय करने लग जाएंगे। भारतीय भोजन''राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे'' के लबादे में, वास्तव में चुनावी द्वंद्व की अपनी इस प्रस्तुति में, प्रधानमंत्री मोदी अति–नाटकीयता का छोंक लगाना भी नहीं भूले। उन्होंने कहा, ''मैं (विरोधी) राजनीतिज्ञों से कहना चाहता हूं कि मैंने उनकी चुनौती स्वीकार कर ली है...लिखकर रख लीजिए। मैं देखूंगा कि कैसे तुम घुसपैठियों को बचाने के लिए अपनी ताकत लगाते हो और कैसे हम उन्हें निकालने के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगाते हैं। हो जाए मुकाबला। घुसपैठियों को बचाने वाले हार जाएंगे और मेरी बात लिखकर रख लीजिए, देश उन्हें माफ नहीं करेगा!'' इसके बाद तो सिर्फ भाजपा के लिए वोट मांगना ही बाकी रह जाता था। उधर बिहार में पूर्णिया में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने स्वाभाविक रूप से घुसपैठियों की हिफाजत करने के दोषियों का अपना दायरा बढ़ा दिया और कांग्रेस के साथ ही राष्ट्रीय जनता दल को घुसपैठियों को ''लंबे समय से'' संरक्षण दे रहे होने का दोषी ठहरा दिया। उन्होंने चुनौती की मुद्रा में कहा, ''लेकिन, उन्हें बाहर निकालना एनडीए की जिम्मेदारी है'' और यह भी जोड़ा कि ''घुसपैठियों को संरक्षण देने वाले नेता कान खोलकर सुन लें, हम उन्हें बाहर भेजना जारी रखेंगे। हमने जनसांख्यिकीय आयोग के गठन का एलान कर दिया है।'' इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी यह कहकर इस खतरे को अखिल भारतीय खतरा बनाने की कोशिश करना नहीं भूले कि, ''बिहार, बंगाल, असम के लोग अपनी बहन–बेटियों की सलामती और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।'' जाहिर है कि आने वाले दिनों में हमें प. बंगाल में भी घुसपैठियों के खतरे की यह कहानी बार–बार सुनने को मिलेगी। हां! प. बंगाल में इसे कुछ अलग ढंग से जरूर पेश किया जा रहा होगा। आखिरकार, प. बंगाल में बांग्लादेश से समय–समय पर आए ऐसे हिंदू प्रवासियों की भी बहुत बड़ी संख्या है, जिनकी नागरिकता का मुद्दा, आम राजनीतिक सर्वानुमति होने के बावजूद, तरह–तरह के तकनीकी कारणों से लटका रहा है। प. बंगाल में घुसपैठियों के खतरे का शोर मचाने में, उन्हें इन हिंदू प्रवासियों को बचाने का खास ध्यान रखना होगा। वर्ना ''बांग्लादेशी घुसपैठियों'' के खतरे के नाम पर गोलबंदी, तो संघ–भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से उल्टी ही पड़ जाएगी। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और एनआरसी के बीच, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कुख्यात रूप से जिस ''क्रोनोलॉजी'' पर जोर दिया था, वह इसी पैंतरे को साधने की कोशिश का हिस्सा था। भारतीय भोजन ऐसा लगता है कि संघ–भाजपा को अपनी मुस्लिम विरोधी गोलबंदी और उसके आधार पर ध्रुवीकरण की मुहिम के लिए एक और नारा मिल गया है। जाहिर है कि इस सिलसिले में तो वे कभी किसी भ्रम की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं कि जब वे घुसपैठ की बात करते हैं, घुसपैठ के जरिए आबादी का गठन बदले जाने की बात करते हैं और इस तरह घुसपैठ से सामाजिक ताने–बाने से लेकर, राष्ट्र की सुरक्षा तक खतरे में पड़ जाने की बात करते हैं, तो वे सिर्फ और सिर्फ अल्पसंख्यकों की और उसमें भी खासतौर पर मुसलमानों की आबादी बढ़ने की ही बात कर रहे होते हैं। इस संबंध में अगर कोई अस्पष्टता रही भी होगी तो नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) बनाए तथा लागू किए जाने के बाद दूर हो चुकी है, जो कानूनी तौर पर बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि, पड़ौसी देशों से अवैध रूप से आए गैर–मुस्लिम प्रवासियों को छांटकर उनके लिए नागरिकता का रास्ता खोलता है।

गोरखपुर–लखनऊ हाईवे पर एलिवेटेड फ्लाईओवर पर बनेगी ॥–॥ मीटर चौड़ी सावसलेन

फ्लाईओवर के दोनों ओर बनेंगी सर्विस लेन , उद्यमियों को सीईटीपी का खर्च नहीं उठाना होगा , विद्युत तारों को अंडरग्राउंड करने का निर्देश

गोरखपुर,संवाददाता। लखनऊ हाईवे पर एलिवेटेड फ्लाईओवर के दोनों ओर सर्विस लेन बनेंगी। उद्यमियों की मांग पर एनएचएआइ ने सुरक्षा कारणों से कट बनाने से इनकार किया। गीडा में सीईटीपी स्थापना को मंजूरी मिली जिसका खर्च उद्यमी नहीं उठाएंगे। कमिश्नर ने विद्युत तारों को अंडरग्राउंड करने और उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। पूर्णता प्रमाणपत्र और गीडा की समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

गोरखपुर–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच–27 पर बोक्टा से सहजनवा तक बनने वाले चार किलोमीटर लंबे एलिवेटेड फ्लाईओवर के दोनों ओर 11–11 मीटर चौड़ी सर्विसलेन बनेगी। मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में एनएचएआइ के अधिकारियों ने इस योजना के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान उद्यमियों ने

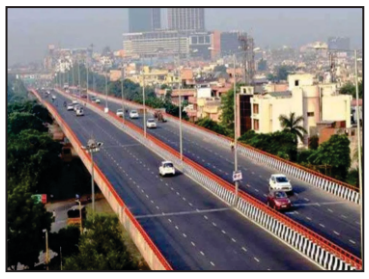

सर्विसलेन के पहले कहीं कट बनाने की मांग उठाई। हालांकि सुरक्षा के दृष्टिकोण से एनएचएआइ अधिकारियों ने इससे इंकार कर दिया। हालांकि कमिश्नर अनिल ढींगरा ने जिलाधिकारी से वार्ता कर इसका रास्ता निकालने का आश्वासन दिया।

कमिश्नर की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चेंबर आफ इंडस्ट्रीज द्वारा औद्योगिक क्षेत्र गीडा में सीईटीपी की स्थापना का विषय उठाए जाने पर सीईओ गीडा द्वारा बताया गया कि इसका सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त हो गया है।

साथ ही बताया कि सीईटीपी के बनने में आने वाले खर्च को किसी भी उद्यमी को वहन नहीं करना पड़ेगा। सारा खर्च नमामि गंगे, गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण और औद्योगिक विकास विभाग वहन करेगा।

अब सीईटीपी के संचालन पर आने वाले खर्च को 55 के बजाए 53 औद्योगिक इकाइयों को ही देना होगा। दो बड़ी औद्योगिक इकाई जीरो डिस्चार्ज की वजह से इससे बाहर हो गई हैं। इस दौरान कमिश्नर ने औद्योगिक आस्थान, औद्योगिक क्षेत्र, लच्छीपुर एवं औद्योगिक क्षेत्र विकास नगर में विद्युत तारों को अंडरग्राउंड करने के मामले में विद्युत विभाग को तत्काल प्रभाव से कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहीं, संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। हम सभी का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों तथा विभिन्न विभागों के मध्य सीधा संवाद एवं समन्वय स्थापित करना है।

बैंक समेत विभिन्न विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा ओडीओपी संबंधी लक्ष्यों को और अधिक बढ़ाएं और आवेदन पत्रों का निस्तारण यथाशीघ्र समयबद्ध ढंग से कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सीईओ गीडा अनुज मलिक, संयुक्त आयुक्त उद्योग एचपी सिंह सहित विभिन्न विभागों से संबंधित मंडलीय अधिकारी तथा उद्यमी शामिल रहे।

पूर्णता प्रमाणपत्र के साथ गीडा की समस्याओं का भी मामला उठा

बैठक के दौरान चेंबर आफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह ने पूर्णता प्रमाणपत्र की पेचीदगी का मामला उठाया। कहा कि कागजी प्रक्रिया की वजह से उद्यमियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। गीडा सीईओ ने जल्द आने वाली कंपोजिट पालिसी की जानकारी दी। इसके बाद कमिश्नर ने सीईओ गीडा, ज्वाइंट डायरेक्टर उद्योग और चेंबर आफ इंडस्ट्रीज अध्यक्ष की कमेटी बनाकर इस संबंध में चर्चा करने के निर्देश दिया। वहीं लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष दीपक कारीवाल, महासचिव सुधांशु टिबरेवाल ने गीडा में बरसात के पहले नाला की सफाई और फैक्ट्रियों के सामने इंटरलाकिंग कार्य में देरी का मामला उठाया।

पशु तस्करी में पिछले 10 वर्ष में कौन गया जेल, हो रही छानबीन

गोरखपुर जोन में एडीजी मुथा अशोक जैन ने पशु तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। अब तस्करों के मददगारों और नेटवर्क पर भी कार्रवाई होगी। पिछले 10 वर्षों में जेल गए तस्करों का सत्यापन होगा और हाईवे पर तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका भी जांची जाएगी। पुलिस कप्तान को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं और तस्करी मार्गों पर नाकेबंदी की जाएगी।

संवाददाता, गोरखपुर। पिपराइच के महुआचाफी में छात्र दीपक गुप्ता की हत्या के बाद गोरखपुर जोन की पुलिस हरकत में आ गई है। एडीजी जोन मुथा अशोक जैन ने पशु तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान शुरू कराया है। सबसे बड़ी बात यह है कि अब सिर्फ तस्करों पर ही नहीं, बल्कि उनके मददगारों और नेटवर्क को भी खंगाला जाएगा। यहां तक कि जो पुलिसकर्मी वर्षों से हाईवे पर तैनात हैं, उनकी भूमिका भी जांची जाएगी। एडीजी जोन ने साफ कहा है कि पिछले 10 वर्ष में जिन तस्करों को जेल भेजा गया, उनका सत्यापन होगा। जेल से छूटकर कौन फिर से इस धंधे में उतरा, इसकी पूरी छानबीन होगी।पुलिस कप्तान को निर्देश दिए गए हैं कि यदि कोई पुलिसकर्मी नेटवर्क से जुड़ा मिला तो उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करें।

पशु तस्करी के हर रास्ते की मैपिंग कर लें।बिहार से लेकर शहर तक हर एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर नाकेबंदी के नए सिरे से इंतजाम होंगे। क्राइम ब्रांच और एसटीएफ की टीमें तस्करों की कुंडली खंगाल रही है। तस्करों के विरुद्ध दर्ज मुकदमों की समीक्षा में देखा जाएगा कि कितने लोगों पर मुकदमे चले, किस पर गैंग्सटर की कार्रवाई हुई और किसकी हिस्ट्रीशीट खुली। खासकर वे तस्कर, जो जेल से बाहर आकर फिर से सक्रिय हो गए हैं, उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई होगी।

आठ माह के भीतर जोन में हुई कार्रवाई का आंकड़ा :

गोवंश व पशु क्रूरता अधिनियम के तहत 162 मुकदमे दर्ज हुए।
521 तस्कर चिन्हित हुए, इनमें से 440 की गिरफ्तारी हुई।
89 पर गुंडा एक्ट, 152 पर गैंग्सटर एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ।
1.30 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त कराया।60 की हिस्ट्रीशीट खुली।
अभियान में 990 पशु बरामद हुए, तस्करों के 124 वाहन पकड़े गए।
इस अवधि में 39 मुठभेड़ हुए जिसमें 52 तस्कर घायल,6 पुलिसकर्मी भी जख्मी।
मुठभेड़ में 73 तस्कर गिरफ्तार, उनके पास से एक ट्रक, एक पिकअप और पांच असलहे बरामद।
यह भी पढ़ें– गोरखपुर के महुआचाफी कांड में पकड़े गए तस्कर अजहर हुसैन की मौत, इलाज के दौरान टूटा दम

एडीजी की कार्ययोजना :

राजपत्रित अधिकारियों की टीम बनाकर गिरफ्तार तस्करों से गहन पूछताछ हो।
नाकेबंदी के दौरान फील्ड टैक्टिक्स का इस्तेमाल करते हुए तस्करों की घेराबंदी की जाए।
जेल से छूटे तस्करों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए।
वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी न होने पर कुर्की की कार्रवाई हो।

गोरखपुर के महुआचाफी कांड में पकड़े गए तस्कर अजहर हुसैन की मौत

संवाददाता, गोरखपुर। पिपराइच के महुआचाफी गांव में नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक गुप्ता की हत्या में शामिल पशु तस्करों में शामिल अजहर हुसैन (32 वर्ष) निवासी रामपुर खुर्द, थाना गोपालपुर, जिला गोपालगंज (बिहार) की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती अजहर से पूछताछ में साथियों का नाम मिला था। अजहर को ग्रामीणों ने सोमवार की रात पकड़ा था। महुआचाफी गांव में पशु तस्करों की घेराबंदी के दौरान उसकी पिकअप फंस गई थी। ग्रामीणों ने उसे पकड़कर जमकर पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। गंभीर हालत में उसे बीआरडी मेडिकल कालेज के सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया था। 17 सितंबर की रात 12 बजकर 5 मिनट पर अजहर को अस्पताल में भर्ती किया गया था। उसके सिर और कंधे में गंभीर चोटें थीं। पुलिस की कड़ी सुरक्षा में उसका इलाज चल रहा था और मजिस्ट्रेट ने बुधवार को उसका बयान भी दर्ज किया था। बयान में उसने अपने साथियों के नाम बताए थे, जिसके आधार पर पुलिस नेटवर्क की तहकीकात कर रही थी। हालांकि शुक्रवार सुबह अचानक उसकी हालत बिगड़ गई और सुबह 10:37 बजे उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इस घटना में कुल आठ तस्करों की पहचान हुई थी। इनमें से रहीम को कुशीनगर में मुठभेड़ के दौरान पकड़ा गया था, जबकि छोटू, राजू और रामलाल पुलिस की गिरफ्त में हैं। अजहर अब मौत के बाद आरोपियों की सूची से बाहर हो गया है।

तेजी से बढ़ रहा राप्ती-रोहिन का जलस्तर, मंडरा रहा बाढ़ का खतरा

गोरखपुर में सरयू राप्ती और रोहिन नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है जिससे बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। रोहिन नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कमिश्नर और डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। निचले इलाकों में चिंता बढ़ गई है और प्रशासन ने राहत–बचाव दलों को अलर्ट पर रखा है।

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर की तीनों प्रमुख नदियों सरयू, राप्ती और रोहिन का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति रोहिन नदी की है, जो त्रिमुहानी घाट पर खतरे के निशान से 62 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बीते 24 घंटे में इसमें 66 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है।

रोहिन के तेज बहाव से कैम्पियरगंज से लेकर डोमिनगढ़ तक बाढ़ का संकट मंडराने लगा है। राप्ती नदी भी लगातार उफान पर है। बर्डघाट में यह खतरे के निशान से केवल 35 सेंटीमीटर नीचे रह गई है। 24 घंटे के भीतर राप्ती का जलस्तर 48 सेंटीमीटर बढ़ा है।

इससे डोमिनगढ़, उत्तरासोत और जंगल कौड़िया जैसे शहर से सटे इलाकों में खतरा बढ़ गया है। प्रशासनिक अमले की सक्रियता भी बढ़ी है।

कमिश्नर अनिल ढींगरा और डीएम दीपक मीणा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया और सिंचाई विभाग को बाढ़ से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा ने जिलाधिकारी दीपक मीणा के साथ ग्राम उत्तरासोत में राप्ती नदी द्वारा हो रहे कटान के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया गया एवं संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए गए।

उन्होंने संबंधित जिलों के एसडीएम और तहसीलदार को भी नदियों के जलस्तर पर नजर बनाए रखने के साथ यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, कहीं कटान न हो।

उत्तरासोत में राप्ती नदी के बढ़े जलस्तर से कटान होने की सूचना पर दोनों अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली और कटान रोकने को लेकर प्रभारी कार्रवाई करने को कहा।

हालांकि गंगा नदी में फिलहाल जलस्तर घट रहा है, लेकिन सरयू अब भी रफ्तार पकड़े हुए है। अयोध्या में सरयू नदी खतरे के निशान से सात सेंटीमीटर ऊपर और तुर्तीपार में 30 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। यहां बीते 24 घंटे में जलस्तर में 15 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। जलस्तर की इस तेजी ने निचले इलाकों के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन ने राहत–बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखा है और गांवों में चौकसी बढ़ा दी गई है।

सीनीय निवासियों को सतर्क रहने तथा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है।

शारिक साटा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी
दुबई में छिपा है संभल हिंसा का मास्टरमाइंड

संभल,संवाददाता। मास्टरमाइंड और अंतरराष्ट्रीय ऑटो लिफ्टर शारिक साटा दुबई में छिपा है। उसके खिलाफ 50 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह यूपी, दिल्ली व हरियाणा में वांछित है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी कर दिया है। जामा मस्जिद हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा की गिरफ्तारी के लिए संभल पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी किया है। आरोपी शारिक साटा वर्ष 2020 में फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दुबई भाग गया और वहीं छिपा हुआ है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 24 नवंबर को संभल में हिंसा के दौरान 28 पुलिसकर्मी और एक एसडीएम घायल हुए थे, जबकि पांच लोगों की मौत हुई थी। इस हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा

ही है। आरोपी उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा और दिल्ली में भी कई मामलों में वांछित है। पुलिस ने जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में उसकी भूमिका को प्रमुख मानते हुए कार्रवाई की है। पुलिस अब तक उसके कई गुर्गों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इसमें मुल्ला अफरोज, गुलाम मुस्तफा समेत अन्य आरोपी शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया है कि शारिक साटा दुबई में बैठकर ही अपने गिरोह के जरिये लग्जरी वाहनों की चोरी और बिक्री कराता है। इतना ही नहीं, वह अपने गुर्गों को हथियार और कारतूस भी मुहैया कराता है।

एएसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि आरोपी विदेश में छिपा है। इसलिए उसकी गिरफ्तारी के लिए लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। इसके बाद इंटरपोल और अन्य एजेंसियों की मदद से आरोपी पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

हुसैन के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दुबई गया साटा

शारिक साटा ने हुसैन के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था और इसी पासपोर्ट पर दुबई भागा है। यह पासपोर्ट उसने वर्ष 2020 में दिल्ली के पते पर जारी कराया था। इसके बाद वह दुबई से अपनी गिरोह को ऑपरेट कर रहा है। पुलिस ने बताया कि पूरे देश में शारिक साटा के खिलाफ 54 मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें संभल के नखासा थाने में 12 और संभल कोतवाली में एक मामला दर्ज है। बाकी मुदकमे दूसरे जिले व प्रदेश में दर्ज हैं। बताया कि जो मुदकमे दर्ज हैं उसमें डकैती, लूट, चोरी, गैंगस्टर व अन्य संगीन मामलों के शामिल हैं।

गिरोह के ज्यादातर सदस्य संभल के निवासी

वर्ष 2022 में नवादा थाना पुलिस ने शारिक साटा गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार किए थे। आरोपियों से पूछताछ में बताया गया कि उन्होंने एक वर्ष में 300 से ज्यादा साटा के नंबर बेचकर लाखों रुपये की कमाई की थी। आरोपियों ने यह भी बताया था कि वह फिक्स के अनुसार साटा गेम चलाते थे। फिक्सिंग से नंबर जीतने का लालच मिश्रा ने बुकी के गिरोह तक खात्मा किया। इसके बाद पुलिस ने खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

मुख्तार के बेटे उमर अंसारी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

फर्जी हस्ताक्षर मामले में कोर्ट से मिली बड़ी राहत

प्रयागराज,संवाददाता। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। कुर्क जमीन को मुक्त कराने के लिए कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों पर मां अफ्शां बेगम का फर्जी हस्ताक्षर करने के आरोप में उमर के खिलाफ गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को छुड़ाने के लिए अपनी मां का फर्जी हस्ताक्षर करने के आरोप में उमर अंसारी की जमानत याचिका मंजूर कर ली है। फर्जी हस्ताक्षर मामले में उमर के खिलाफ गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। उमर अंसारी फिलहाल जेल में बंद हैं। जमानत के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की एकल पीठ के समक्ष याची उमर की तरफ से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने पक्ष रखा।

यह है मामला

गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में उमर पर मुकदमा दर्ज है। आरोप है कि उन्होंने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को कोर्ट से छुड़ाने के लिए फर्जी दस्तावेज और मां के हस्ताक्षर किए हैं। पुलिस ने उमर को लखनऊ से गिरफ्तार किया था। उमर ने जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की। उमर फिलहाल कासगंज की पचलाना जेल में बंद है। 23 अगस्त को उसे गाजीपुर की जेल से कासगंज ले जाया गया था।

चार अगस्त को पुलिस ने लखनऊ से किया था गिरफ्तार

कासगंज जेल में बंद उमर अंसारी की जमानत अर्जी को एडीजे प्रथम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मां अफ्शा अंसारी का फर्जी हस्ताक्षर कर जालसाजी के मामले में उमर अंसारी को गिरफ्तार किया गया था। 21 अगस्त को गाजीपुर की एडीजे प्रथम कोर्ट ने उमर अंसारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। उमर अंसारी के खिलाफ गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में 3 अगस्त 2025 को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। चार अगस्त को उमर अंसारी को पुलिस ने लखनऊ के दारूलशफा स्थित विधायक निवास से गिरफ्तार किया था।

उमर के खिलाफ थानाध्यक्ष मुहम्मदाबाद ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जिस प्रॉपर्टी के लिए फर्जी हस्ताक्षर का आरोप है उसकी कीमत 10 करोड़ से अधिक है। यह प्रॉपर्टी सदर कोतवाली के बल्लभ देवढ़ी दास मोहल्ले में स्थित है। इसके डीएम के आदेश पर 2021 में कुर्क किया गया था। इसी भूमि को रिलीज कराने के लिए कोर्ट में दस्तावेज जमा किए गए थे। जांच में पाया गया कि दस्तावेजों पर जो हस्ताक्षर हैं वह अफ्शां के नहीं हैं। जब्त प्रॉपर्टी मुक्त कराने के लिए उमर अंसारी ने मां आफशां अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर से वकालतनामा दाखिल किया गया था, जबकि मां मां आफशां अंसारी फरार हैं। आफशां अंसारी पर 50 हजार का इनाम घोषित है।

यूपी के इस जिले में यमुना के उफान ने निगल ली 700 किसानों की तीन हजार हेक्टेयर फसल

संवाददाता, अलीगढ़। यमुना का उफान इस बार टप्पल क्षेत्र के किसानों पर कहर बनकर टूटा। नदी का पानी उतरने के बाद तस्वीर साफ हुई तो सामने आया कि सात सौ से अधिक किसानों की करीब तीन हजार हेक्टेयर फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। पांच ग्राम पंचायतों में तो शत प्रतिशत नुकसान हुआ है। धान, बाजरा व सब्जियों की फसलें पानी में समा गईं। किसानों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। जिला प्रशासन प्रभावित किसानों को शासन के मानक अनुसार मुआवजा वितरण की तैयारी कर रहा है।

तहसील प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक यमुना किनारे बसे महाराजगढ़, घरबरा, लालपुर, पखौदना, ऊंटासानी व मालव पंचायत के गांवों में तो शत प्रतिशत फसलें चौपट हो गई हैं। धान व बाजरा की फसलें पानी में सड़ गईं। खेतों में अब सिर्फ झाड़–झंखाड़ व दलदल बचा है। मिट्टी की ऊपरी परत बह जाने से अगली फसल भी प्रभावित होने का खतरा है। इससे किसानों का दर्द और गहरा गया है। कई लोगों ने खेती के लिए कर्ज लिया था। अब फसल के साथ उनकी उम्मीदें भी डूब गई हैं। किसानों का कहना है कि सालभर मेहनत की थी, लेकिन कुछ दिनों की बाढ़ ने सब खत्म कर दिया। हाथ खाली हैं, पेट पालने की चिंता है। पानी उतरने के बाद खैर तहसील की राजस्व टीमों ने गांव–गांव जाकर नुकसान का आकलन किया। एसडीएम खैर शिशिर सिंह ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। सात गांवों में करीब सात सौ किसानों की तीन हजार हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई हैं।

एमयू में गीता, उपनिषद पढ़ रहे मुस्लिम विद्यार्थी

अलीगढ़ ,संवाददाता। 18 सितंबर को दोपहर 1:40 बजे यूनिवर्सिटी के 148 साल पुराने संस्कृत विभाग के चेयरमैन कक्ष में एमए की कक्षाएं चल रही थीं। प्रो. सारिका वार्ष्णेय पढ़ा रही थीं। कक्ष में 10 विद्यार्थी थे। इनमें पांच मुस्लिम थे, जो वेद की पढ़ाई कर रहे थे। भाषाओं को किसी मजहब के बंधन में नहीं बांधा जा सकता है। कोई भी और कहीं भी भाषाएं पढ़–लिख सकता है। ऐसा ही अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के संस्कृत विभाग में भी है। यहां मुस्लिम विद्यार्थी गीता, वेद, उपनिषद पढ़ रहे हैं। 13 में से सात मुस्लिम एमए जबकि 20 में 10 मुस्लिम शोधार्थी वेद, उपनिषद पर शोध कर रहे हैं। जयपुर की नगमा शाहिद आदि शंकराचार्य पर शोध कर रही हैं। वैदिक और इस्लाम में धर्म, सामाजिक, संस्कृति पर तुलनात्मक अध्ययन को लेकर मोहम्मद साकिब शोध कर रहे हैं।

18 सितंबर को दोपहर 1:40 बजे यूनिवर्सिटी के 148 साल पुराने संस्कृत विभाग के चेयरमैन कक्ष में एमए की कक्षाएं चल रही थीं। प्रो. सारिका वार्ष्णेय पढ़ा रही थीं। कक्ष में 10 विद्यार्थी थे। इनमें पांच मुस्लिम थे, जो वेद की पढ़ाई कर रहे थे। दोपहर दो बजे लाइब्रेरी में शोधार्थी नोट्स बना रहे थे।

विभाग अब तक 140 से अधिक पीएचडी और 35 एमफिल की डिग्री दे चुका है। विभाग में साहित्य, वेद, दर्शन, कर्मकांड, श्रीमद्भागवत, महाभारत, रामायण, उपनिषद, आधुनिक संस्कृत की पढ़ाई होती है।

मुझे संस्कृत पढ़ना अच्छा लगता है। आदि शंकराचार्य पर शोध कर रही हूं। मुझे संस्कृत में ही कॅरिअर बनाना है।–**नगमा शाहिद, शोधार्थी**

कर्मकांड, श्रीमद्भागवत, रामायण, उपनिषद पढ़ने में कोई दिक्कत नहीं है। यह भी अन्य भाषा की तरह एक भाषा है।–**सानिया जावेद, छात्र, एमए**

पहले प्रयास में संस्कृत में जेएआरएफ नेट में सफल रहा हूं। हर भाषा पढ़नी चाहिए, क्योंकि इससे ज्ञानवर्धन होता है।–**फजले अहमद, छात्र, एमए**

संस्कृत में भी भविष्य है। इसलिए संस्कृत की पढ़ाई कर रहे हैं। संस्कृत भाषा भी रोजगार के द्वार खोल रही है।–**विशाखा, शोधार्थी**

जो पढ़ रहे हैं, सभी मेरे लिए विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा मिले इस पर मेरा पूरा फोकस है। बीए, एमए, पीएचडी में 50 फीसदी मुस्लिम विद्यार्थी पढ़ रहे हैं।–**प्रो. सारिका वार्ष्णेय, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, एएमयू**

गोरखपुर में 72 घंटे का ट्रायल छुड़ा रहा पसीना चारकोल प्लांट नहीं पकड़ रहा रफ्तार

संवाददाता, गोरखपुर। शहर से निकलने वाले करीब 500 टन कूड़े का बेहतर तरीके से निस्तारण नहीं हो पा रहा है। नगर निगम प्रशासन के द्वारा इसके निस्तारण के लिए किया जा रहा कोई भी प्रयास अब तक परवान नहीं चढ़ सका है। बायो सीएनजी प्लांट के निर्माण से कंपनी ने हाथ खींच लिए तो दूसरी कंपनी के साथ समझौता करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, एनटीपीसी के सहयोग से बन रहा कूड़े से चारकोल बनाने का प्लांट भी पिछले करीब तीन महीने से ट्रायल पीरियड में ही है। 72 घंटे तक लगातार चलाकर टेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है और कूड़े से चारकोल बनाने का काम पूरी तरह से शुरू नहीं हो पा रहा है। सुथनी में एनटीपीसी के सहयोग से कूड़े से चारकोल बनाने का काम चल रहा है। इस प्लांट की सबसे खड़ी खासियत यह है कि इसमें मिक्स कूड़े का इस्तेमाल होना है।

निगम की ओर से कूड़ा ढोने के लिए बनाए गए विशेष तरह के कैप्सूल से शहर से निकला कुछ कूड़ा कभी–कभार यहां भेजा जा रहा है। लेकिन, जब भी मशीन चल रही है तो कुछ ही देर बाद काम करना बंद कर दे रही है। ऐसे में कूड़े से चारकोल प्लांट बनाने का प्लांट रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। दरअसल इस प्लांट के पूरी तरह से काम शुरू करने के लिए 72 घंटे की टेस्टिंग जरूरी है। लेकिन, पिछले करीब तीन महीने से 72 घंटे तक लगातार चलाकर टेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है।

'किसकी गर्मी शांत करोगे?'...: एडीसीपी वरुणा नीतू कात्यायन का अधिवक्ता से नोकझोंक का वीडियो वायरल

वाराणसी,संवाददाता। वाराणसी जिले में अधिवक्ता– दरोगा प्रकरण की जांच के बीच एडीसीपी वरुणा नीतू कात्यायन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें अधिवक्ता से उनकी नोकझोंक हुई है। वाराणसी जिले में एडीसीपी वरुणा नीतू कात्यायन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक वकील एडीसीपी से शिकायत करते दिख रहा है। इस बीच नीतू कात्यायन वहां मौजूद एक अधिवक्ता को कहते हुए दिख रही हैं कि आपने ही बोला था ना गर्मी शांत कर देंगे, किसकी गर्मी शांत करोगे। इस दौरान दोनों के बीच काफी नोकझोंक हुई। इस दौरान मौके पर मौजूद भारी संख्या में पुलिसकर्मी भी आगे बढ़ते दिख रहे हैं। हालांकि अधिवक्ता थोड़ी देर बाद वहां से जाते हुए दिख रहे हैं। दरअसल अधिवक्ता–दरोगा प्रकरण का विवाद बढ़ता जा रहा है। अधिवक्ताओं द्वारा दरोगा की पिटाई के बाद मामले में कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए कुछ अधिवक्ता पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे, जिन्हें पुलिस कर्मियों ने रोक दिया था। अधिवक्ताओं का आरोप था है कि एडीसीपी नीतू कात्यायन ने दुर्व्यवहार भी किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने नारेबाजी की।

महुआचाफी में आठ तस्करों ने की थी वारदात

गोरखपुर में नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक गुप्ता की हत्या में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में आठ तस्करों के नाम सामने आए हैं जिनमें से पांच गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है जिन्हें नेटवर्क का मुख्य सरगना माना जा रहा है। पुलिस पूरे तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करने में जुटी है।

संवाददाता, गोरखपुर। नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक गुप्ता की हत्या में आठ तस्करों का नाम साफ तौर पर सामने आ चुका है। पुलिस जांच और पकड़े तस्करों से पूछताछ में यह बात सामने आयी है।

अब तक पांच तस्कर पुलिस के शिकंजे में आ चुके हैं जबकि तीन फरार हैं। एसटीएफ और जिले की क्राइम ब्रांच की टीमें बिहार से लेकर पश्चिमी यूपी तक दबिश दे रही हैं।

वारदात में शामिल तस्करों में सबसे पहले अजब हुसैन पुत्र ईश हुसैन निवासी रामपुर खुर्द थाना गोपालपुर, गोपालगंज (बिहार) को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा था। भीड़ की पिटाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और फिलहाल बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती है।

रहीम पुत्र हजरत निवासी कोटिया मठिया, थाना पटहेरवा, कुशीनगर बुधवार को रामकोला में पुलिस मुठभेड़ के दौरान दबोचा गया। उसके दोनों पैरों में गोली लगी और पुलिस ने उसके पास से पिस्टल व चोरी की बाइक बरामद की।

इसी कड़ी में गीडा क्षेत्र के छोटू पुत्र रामानंद उर्फ कोईल, राजू उर्फ महिपाल निषाद पुत्र गोपीचंद निषाद और रामलाल निवासी नौसढ़ पुलिस की गिरफ्त में हैं। तीनों से पूछताछ में कई अहम जानकारी पुलिस के हाथ लगी है।

अब पुलिस की सबसे बड़ी चुनौती हैं गोपालगंज का मन्नू सेठ, रामपुर का जुबैर पुत्र फिरासत और पिपराइच का मन्नू निषाद उर्फ विदुर। ये तीनों अभी तक फरार हैं। पुलिस का मानना है कि यही लोग पूरे नेटवर्क की रीढ़ हैं और इनकी गिरफ्तारी से तस्करी गिरोह की पूरी साजिश बेनकाब होगी।

महुआचाफी में चौथे दिन भी मातम और गुस्सा

महुआचाफी में चौथे दिन भी मातम हत्यारों को खत्म करने की मांग जारी पुलिस पर लापरवाही का आरोप

गोरखपुर,संवाददाता। पिपराइच क्षेत्र के महुआचाफी गांव का हर घर मातम और गुस्से में डूबा है।सोमवार की रात नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक गुप्ता की हत्या के चौथे दिन भी स्थित सामान्य तनावपूर्ण है।गुरुवार को सुबह से लेकर रात तक अधिकारी,नेता व शुभचिंतकों का आना लगा रहा। हर आने–जाने वाले को परिजन और ग्रामीण एक ही बात सुनाते रहे,जब तक हत्यारों का खात्मा नहीं होगा, दीपक को इंसाफ नहीं मिलेगा।गांव के भीतर हर गली–चौराहे पर पुलिस और पीएसी का पहरा है। जब एसडीएम सदर, नायब तहसीलदार और लेखपाल गांव पहुंचे तो परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। पिता दुर्गेश गुप्ता को आर्थिक मदद और खाद्यान्न सौंपा गया।छात्र की मां सीमा देवी अधिकारियों से लिपट गईं और फफक कर बोलीं कि मेरे बेटे को तस्करों ने बेरहमी से पीटकर मार डाला।

बिजली के खंभे लगाने से पहले जमीन मालिक की ली जाए सहमति

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ,संवाददाता। जनसुनवाई के दौरान मंत्री एके शर्मा ने बिजली विभाग को निर्देश दिया कि खंभे लगाने से पहले जमीन मालिकों से सहमति लें। उन्होंने सीवर लाइन और सड़क निर्माण जैसी अन्य समस्याओं का भी तत्काल समाधान करने का आदेश दिया। मंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है और इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बिजली के तार व खंभे लगाने या उनको कहीं और लगाने से पहले जमीन मालिकों से सहमति लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से कहा कि यदि खंभे लगाने से पहले ही सहमति ली जाए तो विवाद से बचा जा सकता है। मंत्री गुरुवार को अपने आवास पर जनसुनवाई में लोगों से बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान उनके पास खंभा लगाने संबंधी शिकायत की गई थी।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री को जनसुनवाई में आए लोगों ने सीवर लाइन, सड़क निर्माण, विद्युत बिल सुधार व अन्य स्थानीय समस्याओं के बारे में जानकारी दी। शिकायतकर्ताओं को सुनने के बाद मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सभी समस्याओं का

तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए।

विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतों पर उन्होंने विशेष रूप से निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता को अनावश्यक परेशान न होने दिया जाए। उनकी समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए।

पुलिस को विवेचना की बारीकियां सिखाएगी एनआईए

एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम (सीबीटीपी) के तहत पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को विवेचना की बारीकियों समेत अन्य दक्षता का प्रशिक्षण देगी।

एनआईए के विशेषज्ञ अपर पुलिस अधीक्षक से लेकर उपनिरीक्षक स्तर तक के पुलिसकर्मियों को खास विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

एनआईए के लखनऊ स्थित कार्यालय में 24 व 25 सितंबर को आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 पुलिस अधिकारी हिस्सा लेंगे। प्रशिक्षण निदेशालय ने सभी जिलों से प्रशिक्षण प्रोग्राम के लिए उपयुक्त पुलिसकर्मियों के नाम मांगे हैं।

योगी की नीतियों ने लुभाया, रेडीमेड गारमेंट फैक्टी लगाने कोलकाता से आया

गोरखपुर में औद्योगिक विकास के कारण उद्यमी अशोक प्रसाद हावड़ा से वापस आकर गीडा में रेडीमेड गारमेंट फैक्ट्री स्थापित कर रहे हैं। पांच करोड़ की लागत से शुरू हो रही इस फैक्ट्री में 150 मशीनें होंगी और 250 लोगों को रोजगार मिलेगा। गीडा गारमेंट पार्क में 60 इकाइयां स्थापित हो रही हैं जिससे गोरखपुर रेडीमेड गारमेंट का हब बनेगा।

संवाददाता, गोरखपुर। गोरक्षनगरी में औद्योगिक विकास की बदली हुई परिस्थितियों की वजह से न सिर्फ बड़े औद्योगिक घराने यहां उद्योग स्थापित करने के लिए आगे आ रहे हैं बल्कि दूसरे प्रदेशों में उद्योग स्थापित करने वाले गोरखपुर के उद्यमी भी लौट रहे हैं। अशोक प्रसाद ऐसे ही उद्यमियों में शामिल हैं जो गोरखपुर की बदली परिस्थितियों और औद्योगिक विकास की संभावनाएं से खींचे हुए गोरखपुर में अपना रेडीमेड गारमेंट उद्योग स्थापित कर रहे हैं।

मूल रूप से गोरखपुर के भीटी रावत निवासी अशोक प्रसाद पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रेडीमेड गारमेंट संबंधित अपनी इंडस्ट्री संचालित करते हैं।टी–शर्ट, बरमूडा, ट्राउजर, लैगी समेत अन्य कई प्रकार के रेडीमेड गारमेंट तैयार करते हैं, जिनका देश के विभिन्न राज्यों में निर्यात होता है। कच्चा माल मंगाने के बाद बाजार में इसे तैयार कराते हैं। वहां के कारीगरों पर उनकी निर्भरता रहती है। ऐसे में पिछले कुछ वर्षों में गोरखपुर में औद्योगिक विकास संबंधित बेहतर परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने गीडा स्थित गारमेंट पार्क में रेडीमेड गारमेंट संबंधित अपनी फैक्ट्री स्थापित करने का निर्णय लिया। गीडा सेक्टर 26 स्थित गारमेंट पार्क में उन्हें औद्योगिक भूखंड आवंटित हुआ है, जिसमें उन्होंने फैक्ट्री का निर्माण शुरू कर दिया है। नवंबर तक निर्माण कार्य पूरा हो जाने की संभावना है।

150 मशीन के साथ शुरू होगी फैक्ट्री

अशोक प्रसाद ने कहा कि करीब पांच करोड़ की लागत से 150 मशीनों के साथ अपनी फैक्ट्री शुरू कर रहे हैं। इसमें कम से कम 250 लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां आसानी से दक्ष कारीगर मिल जाएंगे। जो युवा रोजगार की तलाश में दिल्ली, पंजाब जाकर जीवन यापन कर रहे हैं, वह काम के बेहतर विकल्प मिलने पर अपने घर लौट आएंगे। ऐसे में यहां दक्ष कारीगारों की कोई कमी कभी नहीं रहेगी। मांग बढ़ने के साथ ही अगले वर्ष तक इस फैक्ट्री का और विस्तार किया जाएगा। फिलहाल गोरखपुर के आसपास के जिलों के अलावा दिल्ली, पंजाब, बिहार और नेपाल यहां के उत्पादों का निर्यात किया जाएगा। गीडा औद्योगिक क्षेत्र में लगातार औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से उन्हें हरेक तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रेडीमेड गारमेंट संबंधी इकाइयां भी लगातार बढ़ रही हैं। –रामप्रकाश, एसीईओ, गीडा

गारमेंट पार्क में स्थापित हो रही हैं 60 इकाइयां

गीडा गारमेंट पार्क गोरखपुर के गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) क्षेत्र के सेक्टर 26 में विकसित किया जा रहा है, जो गोरखपुर को रेडीमेड गारमेंट हब बनाने के उद्देश्य से 60 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जा रहा है। इस पार्क में लगभग 60 गारमेंट इकाइयों के लिए भूखंड आवंटित किए जा रहे हैं। कुछ इकाइयां स्थापित हो चुकी हैं।

गोरखपुर मंडल में तस्करों के लिए बने 17 सेफ कारिडोर चिह्नित

गोरखपुर,संवाददाता। पशु तस्करों का नेटवर्क पुलिस की आंखों में धूल झोंककर पुराने रास्तों से गुजर रहा है, जिन्हें आठ वर्ष पहले ही चिह्नित किया गया था। 2016 में तत्कालीन डीआइजी रेंज ने गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के कुल 33 थानाक्षेत्रों में 17 प्रमुख मार्गों की सूची तैयार कराईथी। दावा था कि हर रास्ते पर बैरियर लगेगा और रात में सघन चेकिंग होगी। लेकिन, कुछ ही महीनों में अभियान ठंडा पड़ गया और आज हालत यह है कि वही रास्ते तस्करों के लिए सुरक्षित गलियारे बन गए हैं।

पुलिस सूत्र मानते हैं कि नेटवर्क की पकड़ इतनी मजबूत हो चुकी है कि बिना इंटेलिजेंस और एसटीएफ के सहयोग के इसे तोड़ा नहीं जा सकता। फर्जी नंबर प्लेट, चेसिस और इंजन बदलकर गाड़ियां तैयार करने और रात में सीमित गश्त का फायदा उठाकर तस्कर खुलेआम वारदातें कर रहे हैं। ग्रामीण भी मानते हैं कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई आधी–अधूरी होती है।

शार्ट सऊकट से मोबिल आयल की दुकान में लगी भीषण आग

शॉर्ट सर्किट की वजह से रात में भड़की आग दमकल ने पाया काबू, अवंतिका नगर का मामला

गजरौला में मोबिल आयल की दुकान में शार्ट सूकट से आग लग गई जिससे लगभग 50 लाख रुपये का आयल जलकर नष्ट हो गया। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग बुझाने की कोशिश में दुकानदार भी झुलस गया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई।

संवाददाता, गजरौला। मोबिल ऑयल की दुकान में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग भड़क गई। इस आग में दुकान में रखा लगभग 50 लाख का ऑयल जल का नष्ट हो गया। घटना से आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। मामले की जानकारी मिलने पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के प्रयास में दुकानदार भी झुलसा है।

नगर के मुहल्ला अवंतिका नगर में सोनू कुमार की मोबिल ऑयल की दुकान है। वह रोजाना की तरह गुरुवार की रात को भी दुकान बंद कर घर गए थे। इसके बाद रात में करीब दो बजे दुकान के अंदर शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गई।

कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेज धमाकों के साथ आज भड़कने लगी। आसपास के घरों में रहने वाले लोग भी सड़क पर निकल आए और फिर घटना की जानकारी दुकान के स्वामी को दी। मौके पर पहुंचे दुकानदार ने आग बुझाने का प्रयास किया तो वह भी झुलस गया। कुछ देर बाद मामले की जानकारी मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सीएफओ अनिल कुमार ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया।

मंत्री के घर के सामने की सड़क बना दी घटिया शासन ने बैठाई जांच, 30 सितंबर तक मांगी रिपोर्ट

अलीगढ़,संवाददाता। धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य के साथ ही नाला निर्माण की खामियों की बात नगर निगम तक लोगों ने पहुंचाई थी। इसके साथ ही निर्माण की घटिया गुणवत्ता के भी आरोप लगाए गए थे। इसके बाद नगर आयुक्त ने निर्माण की जांच कराए जाने की मांग शासन से की थी। यूपी के शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के घर के सामने बनाई जा रही सड़क में भी घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया। इतना ही नहीं नाला सड़क से ऊंचा बना दिया गया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की शिकायत के बाद शासन ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। समिति इस मामले की जांच 30 सितंबर तक पूरी करके शासन को सौंपेगी।

स्मार्ट सिटी योजना के तहत मैरिस रोड पर 12 करोड़ रुपये की लागत से अब्दुल्ला कॉलेज से केला नगर चौराहे तक 800 मीटर की सड़क को चौड़ा करने और दोनों तरफ नाला निर्माण करने का काम किया जा रहा है। एक वर्ष पहले काम शुरू हुआ था। इस काम को कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेस (सीएनडीएस) के द्वारा किया जा रहा है। धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य के साथ ही नाला निर्माण की खामियों की बात नगर निगम तक लोगों ने पहुंचाई थी। इसके साथ ही निर्माण की घटिया गुणवत्ता के भी आरोप लगाए गए थे। इसके बाद नगर आयुक्त ने निर्माण की जांच कराए जाने की मांग शासन से की थी।

अब सीएनडीएस के निदेशक डीपी सिंह ने मामले की जांच के लिए मुख्य महाप्रबंधक एसके गौतम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है। यह समिति मानकों के विपरीत नाले के निर्माण के साथ ही घटिया निर्माण की भी जांच करेगी। यहां पर जो नाला निर्माण किया गया है उसका लेवल सड़क से बहुत ही उंचा कर दिया गया है। जब यह बात सार्वजनिक रूप से चर्चा में आई तो नाले की दीवारों को काटकर छोटा किया जाने लगा। इससे और भी किरकिरी हुई। जिसके बाद नगर निगम ने मामले की शिकायत शासन में की। नाला और सड़क निर्माण के संबंध में लोगों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे थे। इसके बाद ही मामले की जांच के लिए शासन को पत्र लिखा गया था। अब पूरे मामले की जांच होगी। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ शासन स्तर से ही कार्यवाही की जाएगी।

– प्रेम प्रकाश मीणा, नगर आयुक्त

बारिश में हुआ जबरदस्त जलभरवाव

मंत्री संदीप सिंह के घर के सामने इस पूरे रोड पर जरा सी बारिश में जबरदस्त जलभराव हो जाता है। निर्माण कार्य के दौरान भी जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई, जिससे यहां से गुजरने वाले लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा।

33 वर्ष बाद खुला फर्जीवाड़ा

पिता कभी न रहे शिक्षक, बेटे ने ली मृतक आश्रित में नौकरी, अब वेतन वसूली की तैयारी

बागपत,संवाददाता। बागपत के घिटौली विद्यालय के प्रधानाध्यापक विष्णुदत्त शर्मा की 33 साल पुरानी फर्जी नियुक्ति उजागर हुई। जांच में सामने आया कि उनके पिता कभी शिक्षक नहीं रहे। बीएसए ने सेवा समाप्त कर वेतन वसूली की तैयारी शुरू की। बागपत घिटौली के संविलियन विद्यालय में प्रधानाध्यापक विष्णुदत्त शर्मा की 33 साल पुरानी फर्जी नियुक्ति का खुलासा हुआ है। जांच में पाया गया कि उनके पिता बाबूराम शर्मा कभी शिक्षा विभाग में शिक्षक रहे ही नहीं। इसी आधार पर बीएसए गीता चौधरी ने उनकी सेवा समाप्त कर दी है और पूरी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

विष्णुदत्त शर्मा को 31 दिसंबर 1991 को मेरठ जिले के जानी के परिषदीय प्राथमिक विद्यालय में मृतक आश्रित के तहत सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति मिली थी। बाद में पदोन्नति पर वह घिटौली के संविलियन विद्यालय में आ गए। जनवरी 2024 में शिकायतकर्ताओं श्यामसुंदर शर्मा और जगवीर शर्मा ने आरोप लगाया कि मृतक आश्रित नियुक्ति फर्जी है। जांच में सामने आया कि विष्णुदत्त के पिता बाबूराम शर्मा की मौत 1972 में दिखाई गई, मगर मृत्यु प्रमाण पत्र 1991 में बनवाया गया और उस पर पंजीकरण संख्या भी नहीं थी।

बीएसए ने बताया कि बाबूराम शर्मा को ढिकौली के प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक बताने का दावा भी झूठा निकला। वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी में उस समय बाबूराम नाम के तीन शिक्षक जरूर थे, लेकिन वे अन्य स्कूलों में तैनात थे। विष्णुदत्त शर्मा अपने पिता की नौकरी से जुड़े कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। जांच रिपोर्ट के आधार पर विष्णुदत्त शर्मा की सेवा समाप्त कर दी गई है। अब उनसे 33 साल 8 महीने का पूरा वेतन वसूलने के आदेश भी जारी होने वाले हैं।

विष्णुदत्त शर्मा का पक्ष

मेरी सेवाएं गलत तरीके से समाप्त की गई हैं। यह शिकायत पहले भी 2013, 2016 और 2019 में हुई थी और हर बार जांच मेरे पक्ष में रही। मुझे गांव की रंजिश के चलते फंसाया गया है।

सीएम योगी बोले– नई जीएसटी दरों से बढ़ेगी जीडीपी

यूपी को भी मिलेगा फायदा, पीएम मोदी का जताया आभार

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 सितंबर से लागू होने वाली नई जीएसटी दरों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि लागू होने वाला नेक्सट जेन जीएसटी आम जनता के लिए दीपावली गिफ्ट है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में सुधार के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया है। उन्होंने 22 सितंबर से लागू हो रही जीएसटी के नई दरों को नेक्स्ट जेन जीएसटी का नाम देते हुए कहा कि केंद्र सरकार का आम जनता के लिए दीपावली का बड़ा उपहार है।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा नई जीएसटी दरों के लागू होने से सबसे अधिक फायदा होगा, क्योंकि यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है।

सीएम ने कहा कि करों में जन–केंद्रित सुधार से देश की तरह यूपी की जीडीपी में भी 0.2 से 0.3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का अनुमान है। पहली बार जब जीएसटी लागू हुआ था तो उस समय इसके करों के पांच स्लैब थे। जिसे घटाकर अब सिर्फ दो ही स्लैब (पांच और 18 प्रतिशत) कर दिए गए हैं। सिर्फ लग्जरी सामानों के लिए 40 प्रतिशत जीएसटी का स्लैब अलग है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की नई दरों में रोजमर्रा के सामग्री शामिल किए जाने से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

किसानों और उद्योगों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के नाते उत्तर प्रदेश को जीएसटी सुधारों का सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि पहले यूपी में वैट और सेल टैक्स से केवल 49000 करोड़ रुपये का राजस्व आता था। 2017 के बाद यह बढ़कर 1.15 लाख करोड़ रुपये हो गया। यही नहीं, प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मेट्रो और एयरपोर्ट नेटवर्क का विस्तार भी टैक्स सुधार से संभव हुआ। यूपी को खासतौर पर पिपरमेंट, फुटवियर, रेडीमेड वस्त्र और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) उद्योगों से लाभ होगा। सिंथेटिक मेंथॉल पर 18 प्रतिशत टैक्स और ऑर्गेनिक मेंथॉल पर केवल 5 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है, जिससे यूपी के किसान और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

मुख्यमंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जीएसटी दरें कम होने से लोगों का पैसा बचेगा तो वे और अधिक खरीददारी करेंगे। दूध, दही, पनीर, शैम्पू, टूथपेस्ट, साबुन, साइकिल और बच्चों से जुड़े सामान पर शून्य से पांच प्रतिशत ही टैक्स लगेगा। इससे न सिर्फ रोजमर्रा के खर्च कम होंगे बल्कि उपभोक्ता की क्रय क्षमता भी बढ़ेगी। इससे देश की जीडीपी में दो लाख करोड़ रुपये का इजाफा होने की उम्मीद है। उन्होंने ने कहा कि आगरा व कानपुर में चमड़ा उद्योग का बड़ा काम है, जीएसटी काउंसिल ने 2500 रुपये तक के जूतों पर पांच प्रतिशत की दर से कर लगाया है। इसका लाभ भी इस उद्योग को मिलेगा। 2500 रुपये तक के रेडीमेड कपड़ों पर पांच प्रतिशत टैक्स का लाभ भी प्रदेश को मिलेगा।

'साहब... मैंने पत्नी को मार डाला है, उसका शव खेत में पड़ा है उठा लाओ', कोतवाली जाकर पति ने कबूला जुर्म

कासगंज,संवाददाता। दोपहर करीब एक बजे सोनू ने कोतवाली पहुंचकर बताया कि उसने ही रात को विवाद के बाद साड़ी के पल्लू से गला दबाकर पत्नी की हत्या कर दी और शव को खेत में फेंक दिया।पुलिस निशानदेही पर गांव से 400 मीटर दूर खेत में पहुंची और शव बरामद कर लिया। साहब... मैंने पत्नी को मार डाला है, उसका शव खेत में पड़ा है, उठा लाओ। गांव नगला भम्मा में बुधवार रात चचेरे भाई के साथ मिलकर पत्नी की हत्या कर बृहस्पतिवार को कोतवाली पहुंचे युवक ने जुर्म कबूला तो पुलिस हैरान रह गई। युवक को हिरासत में लेकर पुलिस खेत में पहुंची और कंचन (28) का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर एएसपी और सीओ ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। गांव नगला भम्मा निवासी सोनू की शादी बदायूं के गांव सकरी की कंचन से हुई थी। सोनू ने बुधवार रात चचेरे भाई उमा शंकर के साथ मिलकर कंचन की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद डॉयल 112 पर फोन कर पत्नी के गायब होने की सूचना दी। सोनू ने कोतवाली पहुंचकर बताया कि उसने ही रात को विवाद के बाद साड़ी के पल्लू से गला दबाकर पत्नी की हत्या कर दी और शव को खेत में फेंक दिया।

खेत में प्रेमिका के साथ रंगरलियां मना रहे पति को पकड़ा

युवक ने साड़ी के पल्लू से गला दबाकर पत्नी की जान ले ली

शासन की सख्ती

दीपक हत्याकांड के बाद ADG L@O ने की थी बैठक, पहले एनकाउंटर

एसपी कुशीनगर व देवरिया हटाए गए

गोरखपुर,संवाददाता। माना जा रहा है कि ये तबादला जिले में पशु तस्करी न रोक पाने की वजह से किया गया है। बिहार से इन रास्तों से आसानी से पशु तस्कर इन जिलों से होते हुए गोरखपुर में प्रवेश कर जाते हैं। पिछले कई मुठभेड़ और पशु तस्करों की गिरफ्तारी के बाद ये तथ्य सामने आए थे। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने दो दिन पहले गोरखपुर के एनेक्सी भवन में कुशीनगर, देवरिया, संतकबीरनगर ज़िलों के एसपी को भी गोरखपुर बुलवाया था। इनके साथ गोरखपुर के सभी पुलिस अधिकारियों को लेकर मीटिंग की गई। अगले दिन ही पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से एक हत्यारोपी के गिरफ्तारी की व्यू रचना रची। खुद को घिरा देखकर वो हिंसक होकर फायरिंग करने लगा और पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई और वो गिरफ्तार कर लिया। इधर, एडीजी ने भी सीएम योगी को अपनी पूरी रिपोर्ट दी थी। गुरूवार को अचानक देवरिया और कुशीनगर के एसपी का एक साथ तबादला हो जाता है।

माना जा रहा है कि ये तबादला जिले में पशु तस्करी न रोक पाने की वजह से किया गया है। बिहार से इन रास्तों से आसानी से पशु तस्कर इन जिलों से होते हुए गोरखपुर में प्रवेश कर जाते हैं। पिछले कई मुठभेड़ और पशु तस्करों की गिरफ्तारी के बाद ये तथ्य सामने आए थे। दीपक की हत्या भी ऐसे ही पशु तस्करों ने कर दी थी। अचानक से एक साथ हुई इस कार्रवाई को दीपक हत्याकांड और पशु तस्कर से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं है।

खाने देने के लिए खोलते थे कमरा...

फिर जो भी आता नोचता था जिस्म, एक महीने तक दरिन्दगी, फफक पड़ी वो

आगरा,संवाददाता। आगरा में एक किशोरी को पड़ोस में रहने वाली महिला बहाने से अपने मायके ले गई। वहां किशोरी को बंधक बना लिया गया। इसके बाद हर रोज उसके साथ दुष्कर्म हुआ।

किशोरी ने किसी तरह पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद वो मुक्त हो सकी। आगरा के थाना शाहगंज के नरीपुरा क्षेत्र से 13 अगस्त को गायब हुई किशोरी को बरामद करने के बाद पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आरोप है कि किशोरी को पड़ोस में किराये पर रहने वाली महिला ने ही बहला–फुसलाकर मायके ले जाकर बंधक बना लिया था। यहां किशोरी के साथ एक महीने तक रोजाना दुष्कर्म किया गया। किसी तरह किशोरी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे 11 सितंबर को मुक्त कराया। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में लगी है।

सिलाई मशीन दिलाने के बहाने ले गई थी पड़ोसन

शाहगंज नरीपुरा क्षेत्र निवासी किशोरी की मां ने बताया कि उसके पड़ोस के मकान में एक महिला किराये पर रह रही थी। वह घर आने–जाने लगी। एक दिन वह सिलाई मशीन दिलवाने की बात कहकर किशोरी को साथ ले गई। बाद में मशीन न मिलने की बात कहकर घर छोड़ गई थी। इसके बाद वह 13 अगस्त को दोबारा घर पर आई। उस समय किशोरी के माता–पिता दोनों जूता कारखाने में काम करने गए थ।

फिर लापता हो गई किशोरी

महिला ने किशोरी से सिलाई मशीन बंटने की बात कहते हुए साथ चलने के लिए कहा। किशोरी ने अकेली होने की बात कहते हुए साथ जाने से मना कर दिया। इसके बाद उसके किशोरी को बातों में उलझाकर एक घंटे में वापस आने के लिए कहा। किशोरी महिला की बातों में आ गई और साथ चली गई। इसके बाद उसका कहीं भी पता नहीं चला।

11 सितंबर को देर रात किशोरी ने किसी तरह अपनी मौसी के फोन पर कॉल कर घटना की जानकारी दी। किशोरी ने बताया कि पड़ोस में रहने वाली महिला उसे सिलाई मशीन दिलाने की झांसा देकर मायके रोहता ले गई। उसे एक कमरे में बंधक बना लिया है। यहां केवल खाना देने के लिए ही कमरा खोला जाता है।

महिला के तहेरे भाइयों ने रोज की दरिंदगी

महिला के तहेरे भाई संदीप और मनमोहन रोजाना उसके साथ दुष्कर्म करते हैं। परिजन ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किशोरी को मुक्त कराया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हो गया है। किशोरी का मेडिकल कराया जा रहा है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है।

खान फैमिली, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, विक्की कौशल और अनन्या पांडे से लेकर अर्जुन कपूर तक...मुंबई में 'द बैड्स आफ़ बालीवुड' की ग्रैंड स्क्रीनिंग में दिखे एक से बढ़कर एक सितारें

स्क्रीनिंग

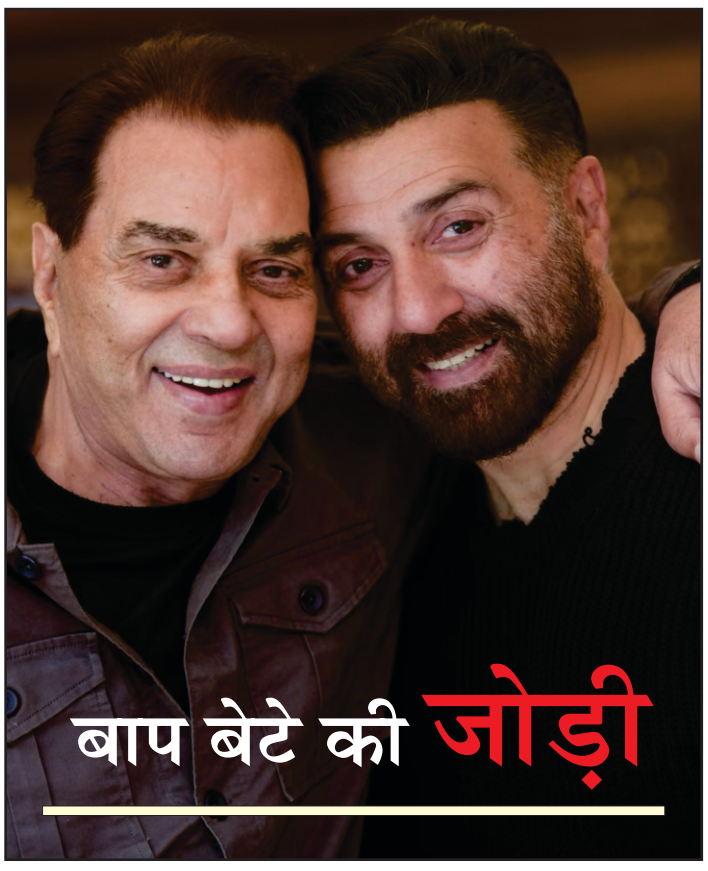

एंटरटेनमेंट डेस्क । बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं. अक्षय कुमार की फिल्म जॉली एलएलबी 3 आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. इस फिल्म को लेकर वो छाए हुए हैं. फिल्म के प्रमोशन के दौरान अक्षय ने पत्नी ट्विंकल खन्ना के बारे में बात की. अक्षय ने बताया कि अगर वो ट्विंकल खन्ना की घड़ी चुरा लेंगे तो वो मेरी जिंदगी निकाल लेगी. अक्षय कुमार रजत शर्मा की आप की अदालत में आने वाले हैं. जिसमें उनसे कई सवाल किए गए. इसमें उन्होंने घड़ी चुराने को लेकर भी पूछा गया. उसके बाद ट्विंकल खन्ना को लेकर ऐसा सवाल पूछा गया जिसके जवाब से साफ झलक रहा है कि एक्टर को पत्नी से कितना खौफ है.

अक्षय को है पत्नी का खौफ

> 'वो मेरी जिन्दगी निकाल लेगी...' पत्नी ट्विंकल खन्ना से खौफ खाते हैं अक्षय कुमार, जाने क्यों कही ये बात

जब अक्षय कुमार से मस्ती में कहा गया कि वो किसी से भी हाथ मिलाते हैं तो उसके बाद सामने वाले को अपनी घड़ी और रिंग देखनी पड़ती है. उसके जवाब में अक्षय होस्ट से कहते हैं कि मैं आपकी घड़ी भी निकाल सकता हूं. जब मिस्टर खिलाड़ी से पत्नी ट्विंकल खन्ना की घड़ी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा– 'मैं अगर वो कोशिश करूंगा तो वो मेरी जिंदगी निकाल लेगी.' बता दें अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना साल 2001 में शादी के बंधन में बंधे थे. इस कपल के दो बच्चे आरव और नितारा हैं. अक्षय कुमार वैसे तो बाकी लोगों की बोलती बंद करते नजर आते हैं लेकिन जब उनके साथ पत्नी ट्विंकल खन्ना होती हैं तो वो ज्यादातर शांत ही रहते हैं. क्योंकि उन्हें पता है कि ट्विंकल उन्हें रोस्ट कर देंगी. वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं. उनकी फिल्म जॉली एलएलबी 3 रिलीज हो गई है. इस फिल्म में उनके साथ अरशद वारसी, अमृता राव अहम किरदार निभाते नजर आए हैं. जॉली एलएलबी 3 को सुभाष कपूर ने डायरेक्ट किया है।

50 की उम्र में भी हैं एकदम फिट

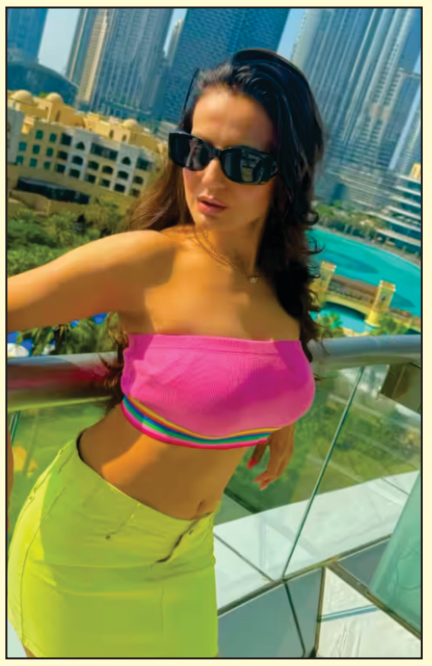

मुम्बई,एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल आज भी बेहद ग्लैमरस और फिट हैं. उनकी तस्वीरें देख कोई भी नहीं कह सकता की वो 50 साल की हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल उन एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने उम्र को सिर्फ एक नंबर बना दिया है. अमीषा आज भी उतनी ही ग्लैमरस लगती हैं, जितनी करियर के शुरुआती दिनों में. फिटनेस और स्टाइल के मामले में वो यंग एक्ट्रेसेस को भी पीछे छोड़ देती हैं.

सोशल मीडिया पर चलता है राज, लगी हुस्न परी

टीवी की है ये एक्ट्रेस 'क्वीन'

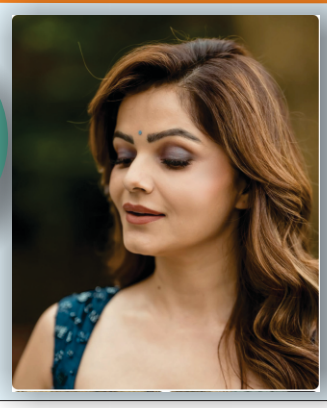

राधिका मर्चेंट की ननद की कुछ तस्वीरें लुक्स नें दोनों एक दूसरे को देती हैं टोर

एंटरटेनमेंट डेस्क। राधिका मर्चेंट अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश लुक्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं, लेकिन उनकी ननद ईशा अंबानी भी किसी मामले में उनसे कम नहीं. ईशा अक्सर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक्स से चर्चे में बनी रहतीं हैं. मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी भी किसी एक्ट्रेस से कम नहीं. ईशा अक्सर अपने स्टाइलिश लुक को लेकर चर्चे में रहतीं हैं. इस तस्वीर में ईशा पिंक कलर की साड़ी में नजर आ रहीं हैं. सिंपल एक्सेसरीज, न्यूड मेकअप और खुले बालों में उनका ये लुक काफी मॉडर्न टच दे रहा है. इस तस्वीर में ईशा हैवी एंब्रॉयडेड साड़ी के नजर आ रहीं हैं. उन्होंने वन साइड दुप्पटा भी कैरी किया है जिसमें उनका ये लुक काफी रॉयल लग रहा है. उन्होंने हैवी एक्सेसरीज के साथ ओपन हेयर किए है. इस लुक में ईशा बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस दिख रहीं हैं.

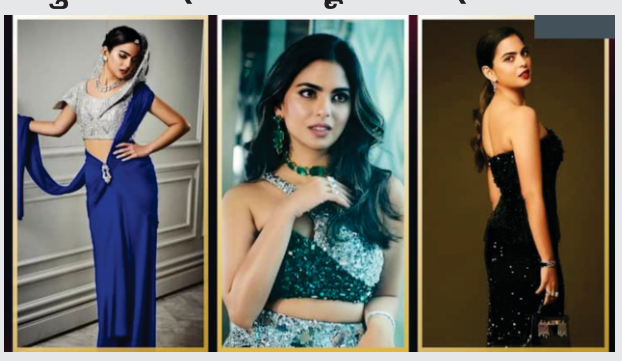

क्या आपको याद है सनकी आशिक की कहानी ? 32 साल पहले आई ये फिल्म आज भी लगती है फ्रेश कहानी

32 साल पहले आई ये फिल्म आज भी मन में पैदा करती है खौफ

> साल 1993 में रिलीज हुई इस फिल्म की कहानी कॉलेज के सनकी लड़के की है, जो एक लड़की से प्यार तो करता है, लेकिन कभी अपनी मोहब्बत का इजहार नहीं कर पाता है। बचपन से ही मां का साया उठ जाता है और पिता अपने काम में व्यस्त रहते हैं, जिसकी वजह से लड़के के दिमाग में बचपन से ही चीजों को लेकर ऑब्सेशन होता हैं। वहीं लड़की किसी और से प्यार करती होती है। वह लड़का शुरू से ही लड़की को फोन करके परेशान करता है और हर जगह उसे फॉलो करता है। जब ये बात वह अपने आशिक को बताती है, तो वह उसे परेशान देखकर उस सनकी लड़के को पकड़ने की योजना बनाते हैं।

एंटरटेनमेंट डेस्क। हिंदी सिनेमा में सालों से कई ऐसी फिल्में बनती आई हैं, जो आज की 'मद– को भी बोर नहीं करती हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जाकर कितनी बार भी वह उन फिल्मों में देख ले, उसकी कहानी बिल्कुल फ्रेश सी लगती है। हम आपको अपने इस आर्टिकल में एक ऐसी ही फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 32 साल पहले थिएटर में आई थी और लीड एक्ट्रेस थीं जूही चावला। अगर आप ये क्राइम थ्रिलर फिल्म देख लेंगे, तो आपकी रूह अंदर तक कांप जाएगी और ऐसा लगेगा की आपको कोई फॉलो कर रहा है। ḍवक्ठ ने भी 32 साल पहले आई इस फिल्म को जबरदस्त रेटिंग दी है। तो चलिए बिना देरी किए देखते हैं कि कौन सी है खौफ पैदा करने वाली ये मूवी और इसे किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आप एन्जॉय कर सकते हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप हार का दर्द

– नीरज चोपड़ा

वर्ल्ड चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नीरज चोपड़ा का छलका दर्द, कहा– ''मुझे समझ नहीं आ रहा कि आज क्या हुआ. ऐसा बहुत समय से नहीं हुआ था. टोक्यो आने से पहले मुझे कुछ समस्याएं थी. दो हफ्ते पहले जब हम चेक गणराज्य में ट्रेलनग कर रहे थे, तो कुछ लोगों को पता था कि मुझे पीठ में तकलीफ है...मुझे लगा था कि मैं फिर भी इससे उबर जाऊंगा, लेकिन भाला फेंकना वाकई बहुत मुश्किल है. अगर आप अच्छी स्थिति में नहीं हैं, तो आप बाहर हो जाएंगे ।

'हाथ मिलाने पर नही, क्रिकेट पर ध्यान दें', हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल देव, पाकिस्तान को दी नसीहत

स्पोर्ट्स डेस्क। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत–पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें।

पहलगाम हमले के बाद पहला मुकाबला

यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

कपिल देव का बयान

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा– ये सब छोटी–छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है। पाकिस्तान ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्हें अपने खेल पर काम करना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि कोई हाथ मिलाना चाहता है या गले लगाना।'

टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन

भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर–फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, 'भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।'

ग्रुप स्टेज में भारत का दबदबा

भारत ने एशिया कप में अब तक खेले गए दोनों मैचों में जीत दर्ज की है। टीम ने पहले यूएई को नौ विकेट से हराया और फिर पाकिस्तान को सात विकेट से मात दी।

दोनों ही मैचों में भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की है। भारत अब अपने ग्रुप का अंतिम मुकाबला शुक्रवार को ओमान के खिलाफ दुबई में खेलेगा।

'छोटा भाई मानता था, पर..

करुण नायर से इस तरह टूटी थी उथप्पा की दोस्ती

स्पोर्ट्स डेस्क। उथप्पा ने अपने करियर में 142 प्रथम श्रेणी मैच खेले जिनमें से 99 कर्नाटक के लिए थे। 2017 में उन्होंने कर्नाटक टीम छोड़ दी और बाद में सौराष्ट्र और केरल के लिए खेला। भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने करुण नायर के साथ अपने रिश्ते बिगड़ने की असली वजह का खुलासा किया है। उथप्पा ने कहा कि कर्नाटक टीम के एक साथी खिलाड़ी ने उनका एक इंटरव्यू करुण नायर के सामने तोड़–मरोड़कर पेश किया, जिससे दोनों के बीच दूरी आ गई।

टेस्ट टीम में जगह न मिलने से थे निराश

उथप्पा ने 'फर्स्ट अंपायर' पॉडकास्ट पर बातचीत में बताया कि उस समय वे भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद चयन नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा, 'उस समय मैं टेस्ट टीम में आने की कोशिश कर रहा था। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद मुझे मौका नहीं मिल रहा था। शायद मेरी निराशा उस इंटरव्यू में बाहर आ गई। मैंने कहा था कि टेस्ट कैप्स बहुत आसानी से दे दी जा रही हैं, लोगों को उन्हें अर्जित करना चाहिए, यूं ही नहीं मिलनी चाहिए।'

करुण नायर से बिगड़े रिश्ते

उथप्पा ने आगे कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से करुण नायर तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम के किसी खिलाड़ी ने इंटरव्यू का वह हिस्सा लेकर करुण नायर को कह दिया कि मैंने यह उनके बारे में कहा है। करुण, जो मेरे लिए छोटे भाई जैसे थे, उन्होंने मुझसे पूछने की बजाय उसकी बात पर विश्वास कर लिया। चूंकि वे उस समय टेस्ट कैप के करीब थे, उन्होंने मुझसे दूरी बना ली।' उथप्पा ने बताया कि इंटरव्यू मुंबई में छपा था और वहां की मीडिया ने भी इसे इस तरह पेश किया जैसे यह करुण नायर पर सीधा निशाना था। इससे टीम में अंदरूनी कलह शुरू हो गई।

टास से चार मिनट पहले पायक्राट को मिला BCCI का संदेश!

भारत–पाकिस्तान मैच के हैंडशेक विवाद पर नई जानकारी सामने आई है। एसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत–पाकिस्तान मैच के दौरान मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के आचरण को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बीच चला विवाद अब लगभग खत्म होने की ओर है। पीसीबी ने आईसीसी को कई बार पत्र लिखकर पायक्रॉफ्ट को एशिया कप के मैचों से हटाने की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने साफ कर दिया कि पायक्रॉफ्ट की ओर से किसी तरह के नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। इसी बीच एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुबई में खेले गए ग्रुप ए मैच में टॉस से पहले क्या हुआ था।

टॉस से ठीक पहले पायक्रॉफ्ट को मिली जानकारी

भारत–पाकिस्तान मैच के हैंडशेक विवाद पर नई जानकारी सामने आई है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को 'नो हैंडशेक' प्रोटोकॉल की जानकारी टॉस से केवल चार मिनट पहले ही दी गई थी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के वेन्यू मैनेजर ने पाइक्रॉफ्ट को मैदान पर जाने से ठीक पहले यह संदेश दिया कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा टॉस के बाद हाथ नहीं मिलाएंगे, जो बीसीसीआई से आया था और भारतीय सरकार की मंजूरी से भेजा गया था।

पायक्रॉफ्ट ने हालात के मुताबिक फैसला लिया

पायक्रॉफ्ट ने तुरंत यह संदेश पाकिस्तान कप्तान सलमान को दे दिया ताकि उन्हें मैदान पर उन्हें कोई असहज स्थिति का सामना न करना पड़े। पायक्रॉफ्ट के पास आईसीसी को इस बारे में सूचित करने का समय नहीं था, इसलिए उन्होंने सीधे पाकिस्तानी कप्तान सलमान को जानकारी देने का फैसला किया, ताकि उन्हें मैदान पर शर्मिंदगी न उठानी पड़े। इससे साफ होता है कि पायक्रॉफ्ट ने उल्टा पाकिस्तान को ही इस विवाद से बचाने की कोशिश की थी। इस पूरे मामले पर पीसीबी ने बाद में आईसीसी से शिकायत की थी, लेकिन क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था।

पीसीबी की शिकायत और विवाद

भारत से हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से शिकायत की कि पायक्रॉफ्ट ने कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है और उन्हें तुरंत मैच रेफरी की जिम्मेदारी से हटाया जाए। पीसीबी ने यहां तक धमकी दे दी थी कि अगर पायक्रॉफ्ट को नहीं हटाया गया तो वे यूएई के खिलाफ होने वाला मैच नहीं खेलेंगे। हालांकि, क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था। आईसीसी के जवाब से नाखुश पाकिस्तान ने फिर ड्रामा किया और यूएई से उनका मैच करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ।